सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्षः 11 • अंकः 228 पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार 24 सितम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की

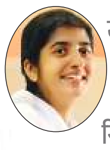

जब लोहे की रॉड गरम हो जाती है आप उसे किसी भी आकर में ढाल सकते हैं! कभी भी अपना मिजाज खराब मत करिए नहीं तो लोग आपको उसी तरह ढाल देंगे जैसा वे चाहते हैं। -ब्रह्माकुमारी शिवानी

श्रीलंका एशिया कप के फाइनल की दौड़... 7 | रालोद, अपना दल के बाद और भी... 3 | भाजपा को सामाजिक सौहार्द के... 2

आजम की रिहाई मुस्लिम राजनीति का बिखरा किला या नया मोर्चा?

सलाखों से बाहर लेकिन सियासत के शिकंजे में आजम खान

» सपा से दूरी, बसपा से नजदीकी या फिर भाजपा से कोई सौदा ?

» 23 महीनों की लंबी कैद के बाद पूर्व समाजवादी सांसद जेल से बाहर

» आजम रामपुर का शेर या सियासत का शिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 23 महीनों की लंबी कैद के बाद आजम खान जेल से बाहर आ गए हैं। रामपुर का यह नेता कभी यूपी की राजनीति का धुरी माना जाता था। लेकिन सवाल यह है कि बाहर आने के बाद वह कहाँ खड़े हैं? सपा में उनका क्या रोल होगा? क्या बसपा उनके लिए नया आशियाना है? या फिर यह रिहाई महज किसी अदृश्य समझौते का नतीजा है?

कुल मिलाकर सियासत के इस गर्म बाजार में आजम खान आजाद हैं मगर उनकी राजनीति कैद में है। सपा उनसे दूरी बनाए हुए है जबकि बसपा उन्हें गले लगाने से पहले नाप तौल रही है बात अगर बीजेपी की करें तो बीजेपी उन्हें अपनी रणनीति का हिस्सा बना चुकी है। मुस्लिम समाज अब भी सवाल पूछ रहा है कि हमारा नेतृत्व कौन करेगा? आजम का किला ढह चुका है लेकिन उनकी परछाई अब भी सपा और यूपी की राजनीति पर मंडरा रही है।

2027
के यूपी विधान सभा चुनाव की बड़ी रणनीति का हिस्सा है आजम की रिहाई

सपा व आजम मोहब्बत या मजबूरी?

आजम का पूरा राजनीतिक करियर सपा से जुड़ा रहा। लेकिन उनकी छवि हमेशा विवादों से घिरी रही। आजम ने पार्टी के भीतर कभी किसी और मुस्लिम नेता को उभरने नहीं दिया। एक तरफ आजम खां और दूसरी तरफ पार्टी के दूसरे मुस्लिम नेता। आजम का संघर्ष और मुलायम सिंह यादव से नजदीकियों के चलते आजम का हमेशा पार्टी के भीतर अपरहैंड रहा और उन्होंने जा चहा वह किया। शाहिद मंजूर, महबूब अली, हाजी रियाज अहमद, शफीकुर्रहमान बर्क, एसटी हसन जैसे नेताओं की लंबी फौज है जो आजम के सताये हुए बताये जाते हैं। आजम की रिहाई के बाद तो पूव सासंद एसटी हसन ने यहां तक कह दिया कि उनसे मिलने का मन नहीं करता हां अगर वह बुलाएंगे तो जरूर जाऊंगा। पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अब एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में हैं जो भाजपा के ध्रुवीकरण का जवाब दे सके। इसलिए सपा के भीतर आजम अब अनचाहे मेहमान जैसे हैं।

रिहाई के बाद घर परिवार के बीच पहुंचे आजम खान

वक्त के शिंकजे में आजम

आजम खान जेल से बाहर जरूर आ गए हैं लेकिन राजनीति में उनकी हालत ठीक नहीं है। सपा उन्हें बोझ समझ रही है। बसपा उन्हें औजार बना सकती है। और भाजपा उनकी चुप्पी से खुश है। लेकिन मुस्लिम समाज अब भी भटक रहा है। सवाल वही है कि क्या आजम अब भी नुकसान पहुंचा सकते हैं या फिर उनकी राजनीति का आखिरी पन्ना लिखा जा चुका है?

बीजेपी मौन, नहीं दी कोई तीखी प्रतिक्रिया

आजम की रिहाई पर भाजपा ने कोई तीखी प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे यह शक मजबूत होता है कि कहीं उनकी रिहाई शर्तों पर तो नहीं हुई? क्या आजम से यह वादा लिया गया है कि वह सपा को कमजोर करेंगे? क्या भाजपा चाहती है कि मुस्लिम राजनीति नेतृत्वहीन और बिखरी हुई रहे? क्या आजम की रिहाई यूपी विधान सभा के वर्ष 2027 के चुनाव की बड़ी रणनीति का हिस्सा है?

बसपा-आजम : क्या बन सकता है नया मोर्चा?

बसपा लंबे समय से मुस्लिम वोटरों की तलाश में है। अगर आजम बसपा का दामन थामते हैं तो तस्वीर बदल सकती है। और ताजा दलित-मुस्लिम गठजोड़ भाजपा के लिए चुनौती बन सकता है। मायावती के लिए यह एक नई प्रासंगिकता की शुरुआत भी मानी जा सकती है लेकिन बड़ा सवाल यही है कि क्या ऐसा होगा? क्या आजम मायावती के सामने चप्पल उतार कर पेश होने की कूवत पैदा कर लेंगे। उनके सामाने बेटे अबदुल्ला आजम के भविष्य का सवाल भी है और मुकदमों की लंबी कतार भी ऐसे में आजम अगर मायावती के साथ जाते हैं तो पश्चिम यूपी में बसपा को दोबारा जमीन मिल सकती है। लेकिन एक सवाल यह भी है कि क्या मायावती आजम को उतनी आजादी देंगी जितनी सपा में मिली थी? सपा से छिटकने के आजम के? लिए कई कारण हो सकते हैं इनमें उनका उम्रदराज होना, कानूनी मामलों का दबाव होना और पार्टी के भीतर भरोसे की कमी सबसे उपर मानी जा रही है।

पश्चिम यूपी का बदलता नक्शा, सपा का गढ़ टूटा

पिछले दो सालों में भाजपा ने पश्चिम यूपी में सपा को गहरे झटके दिए है। बीजेपी रामपुर उपचुनाव 2022 को जीत चुकी है। रामपुर आजम की जन्म भूमि भी है और कर्म भूमि कोई सोच भी नहीं सकता था कि आजम की जिंदगी में वहां कमल खिल सकता है। लेकिन ऐसा हो चुका है। वहीं कुंदरकी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भी भाजपा ने यहां से सपा को मात दे। यही नहीं नगर निकाय चुनाव में भी रामपुर और मुरादाबाद जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में भाजपा ने अप्रत्याशित बढ़त हासिल की। मौजूदा आंकड़े बताने के लिए काफी है कि आजम की गैरमौजूदगी ने सपा का मुस्लिम वोट बैंक कमजोर कर दिया।

भाजपा को सामाजिक सौहार्द के प्रतीक लोग कभी अच्छे नहीं लगते : अखिलेश यादव

आजम खां के जेल से रिहा होने के बाद सपा प्रमुख बीजेपी पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजम खां के जेल से रिहा होने के बाद भाजपा पर तीखा हमला बोला। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहली प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि हर झूठ की एक मियाद होती है। भाजपा को सामाजिक सौहार्द के प्रतीक लोग कभी अच्छे नहीं लगते हैं।

उन्होंने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि आजम खां जी की रिहाई उनके और उनके परिवार और हम सब के साथ-साथ, उन सब लोगों के लिए राहत और खुशी की बात है जो 'इंसाफ़' में ऐतबार करते हैं। न्याय में विश्वास को बनाए रखने के लिए अदालत का दिल से शुक्रि या।

आज फर्जी मुकदमे करनेवालों को भी ये सबक मिल गया है कि हर 'झूठ' की एक मियाद होती है और हर 'साज़िश' की भी। जो लोग सामाजिक सौहार्द के प्रतीक होते हैं, भाजपा को वो कभी अच्छे नहीं लगते हैं। माननीय आजम खां जी एक बार फिर से हर उपेक्षित, पीड़ित, दुखी, अपमानित के साथ खड़े होकर, भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों के द्वारा किये जा रहे जनता के दमन के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाएंगे और हमेशा की तरह देश-प्रदेश की भावनात्मक एकता के प्रतीक बनकर, समाजवादी मूल्यों और सिद्धांतों के साथ, सामाजिक न्याय के संघर्ष की राह पर आगे बढ़ते जाएंगे! इंसाफ जिंदाबाद!

सपा की सरकार आई तो आजम खां पर दर्ज सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सपा के वरिष्ठ नेता एवं संस्थापक सदस्य आजम खां की रिहाई पर खुशी जताते हुए कहा कि राज्य में सपा की सरकार आई तो खां के खिलाफ दर्ज सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे। देते हुए अखिलेश यादव ने कहा, 'जिस तरह मुख्यमंत्री जी (योगी आदित्यनाथ) ने अपने मुकदमे वापस लिए हैं... न सिर्फ अपने बल्कि उप मुख्यमंत्री (केशव प्रसाद मौर्य) और तमाम भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) नेताओं के मुकदमे भी वापस लिए गए हैं, उसी तरह सपा की सरकार आई तो आजम खां साहब पर दर्ज सभी झूठे मुकदमे वापस लिए जाएंगे।'

जो अटकलें लगा रहे वही बताएं : आजम खां

समाजवादी पार्टी के प्रमुख नेता, आज़म खान, लगभग दो साल जेल में बिताने के बाद, मंगलवार, को सीतापुर जेल से बाहर आ गए। जेल से बाहर आते ही, खान ने अपने समर्थकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया और एएनआई से कहा कि सभी का धन्यवाद। मेरा समर्थन करने वाले सभी लोगों को मेरा आशीर्वाद। क्वालिटी बार भूमि अतिक्रमण मामले में आज़म खान जेल में बंद थे और इस साल मई में इलाहाबाद उच्च न्यायालय से ज़मानत मिलने के बाद रिहा हुए थे। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में शामिल होने की अफवाहों पर, खान ने कहा, यह केवल वही लोग बता सकते हैं जो अटकलें लगा रहे हैं... मैं जेल में किसी से नहीं मिला। मुझे फ़ोन करने की इजाज़त नहीं थी... इसलिए, मैं 5 साल से पूरी तरह से संपर्क से बाहर हूँ।

सपा विधायक शिवपाल यादव ने की आगवानी

इससे पहले, आजम खां की अगवानी करने आए सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनके सहयोगी और पूर्व लोकसभा सांसद आजम खान को झूठे मामलों में फंसाया गया है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए, यादव ने सीतापुर जेल में बंद आज़म खान को ज़मानत देने के अदालत के फैसले का स्वागत किया। जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र से छह बार विधायक रहे यादव ने कहा कि आजम खान को सरकार ने झूठे मामलों में फंसाया था। हालाँकि, अदालत ने उन्हें ज़मानत दे दी है और उन्हें मामलों में राहत प्रदान की है। मैं इस फैसले का स्वागत करता हूँ। मैं सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय का स्वागत करता हूँ। उनके खिलाफ कई झूठे मामले दर्ज किए गए थे। सपा उनके साथ खड़ी है।

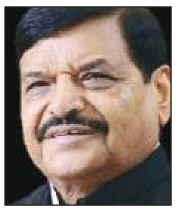

समाजवादी आंदोलन में भी उनकी अहम भूमिका

अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खां न केवल सपा के संस्थापक सदस्य हैं बल्कि उन्होंने समाजवादी आंदोलन में भी अहम भूमिका निभाई है। वो हमारे साथ हैं। हमारे संस्थापक नेताजी के साथ हैं और हम सबके साथ हैं। भाजपा से लड़ने में अन्य समाजवादियों के साथ उनकी भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है। आज बहुत खुशी का पल है... उन्हें आखिरकार न्याय मिल गया है।

नीतीश सरकार ऐसे वादे कर रही है जिन्हें पूरा नहीं कर सकती : पवन

» जन सुराज पार्टी ने जदयू पर किए प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी (जेएसपी) ने आरोप लगाया कि बिहार की नीतीश कुमार सरकार विधानसभा चुनाव से पहले ''वित्तीय रूप से अव्यवहारिक योजनाओं'' की घोषणा कर रही है, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति पर गंभीर बोझ पड़ेगा और जिन्हें पूरा नहीं कर सकती है।

पार्टी के प्रवक्ता पवन के वर्मा ने संवाददाताओं से कहा कि सरकार की ओर से किए गए ऐसे वादों का कुल अनुमानित खर्च लगभग 33,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने दावा किया कि राज्य पर पहले से ही 4,06,476 करोड़ रुपये का बकाया कर्ज है। वर्मा ने आरोप लगाया, ''बिहार की गैर-जिम्मेदाराना राजग सरकार ऐसे वादे कर रही है, जिन्हें पूरा करने की उसकी क्षमता नहीं है। यह जनता को गुमराह करने जैसा कार्य है। उन्होंने कहा, ''हमारे संविधान में परिकल्पित लोकतंत्र में सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह पांच वर्षों तक काम करे। लेकिन यह सरकार अपने कामकाज के बजाय, आखिरी समय में नुकसान की भरपाई के तौर पर मुफ्तखोरी बांट रही है। वर्मा ने कहा, ''यह तो बस शुरुआत है...आगे और बड़े खुलासे होंगे।'' वर्मा ने आरोप लगाया, नीतीश कुमार का अब अपने मंत्रिमंडल पर नियंत्रण नहीं है। उनके व्यक्तित्व में आमूल-चूल परिवर्तन आ गया है। वह कभी तीक्ष्ण बुद्धि और सिद्धांतों वाले नेता हुआ करते थे, लेकिन अब उनके खराब स्वास्थ्य का फ़ायदा उठाकर उनके सहयोगी और मंत्री सत्ता का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं।

किसानों के साथ विश्वासघात कर रही सैनी सरकार

» कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कपास के आयात शुल्क मामले पर सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने आरोप लगाया है कि केंद्र की भाजपा सरकार ने विदेशी कपास पर 11 फीसदी आयात शुल्क खत्म करके भारतीय किसानों की पीठ में छुरा घोंपा है। इस फैसले से हरियाणा, पंजाब और राजस्थान समेत कपास उत्पादक राज्यों के किसानों को भारी नुकसान होगा।

हुड्डा ने कहा कि अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया लेकिन जवाबी कार्रवाई करने की बजाय केंद्र सरकार ने विदेशी कपास आयात को आसान बना दिया। इससे घरेलू कपास की कीमतें गिर गई हैं और किसान अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी करीब दो हजार रुपये कम रेट पर बेचने को मजबूर हैं। हुड्डा ने कहा कि राज्य में करीब 6.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर कपास की खेती होती है। 20 से 22 लाख गांठें सालाना उत्पादन होता है लेकिन विदेशी कपास सस्ता होने से भारतीय कपास की मांग घटेगी और किसानों का घाटा और बढ़ेगा। विदेशी कपास पर 11 फीसदी आयात शुल्क तुरंत बहाल किया जाना चाहिए। टेक्सटाइल उद्योग के घरेलू कपास खरीदने के लिए बाध्यकारी नीति बनाई जाए और किसानों को एमएसपी पर सरकारी खरीद की गारंटी दी जाए।

पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा व सांसद दीपेंद्र हुड्डा लापता, शहर में लगे पोस्टर

सांपला नगर पालिका के पूर्व पार्षद शिव कुमार रंगीला ने रात को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा लापता व सांसद दीपेंद्र हुड्डा लापता होने के पोस्टर लगाए हैं। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री सात सितंबर को ही सांपला खंड के जलभराव से प्रभावित गांवों के दौरे पर आए थे। रंगीला का कदम सियासी हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्व पार्षद शिव कुमार रंगीला ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा गढ़ी सांपला-किलोई हलके से विधायक हैं। जबकि उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा लोकसभा सांसद हैं। सांपला कस्बे के एक, आठ व 13 वॉर्ड में पानी भरा हुआ है। 300 से 400 घर डूबे हुए हैं। लोगों को समस्याएं हो रही हैं। इसके बावजूद हुड्डा पिता-पुत्र लोगों के बीच नहीं आए। न ही जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं। आज लोगों को विधायक व सांसद की जरूरत है। उनका कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा आसपास के गांवों में आए और फोटो उतरवाकर चले गए। किसानों की फसल डूबी हुई है। शिव कुमार रंगाला 2014 तक कांग्रेस में शामिल रहे। प्रदेश में सत्ता बदलने के बाद भाजपा में आ गए। निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर बेरी से चुनाव लड़ा। 2024 में आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने छह सितंबर को हलके का दौरा किया। पाकस्मा, भैसरूं, कसरेहटी, समचाना व सांपला में पहुंचकर जलभराव का जायजा लिया था। साथ में अधिकारियों से बात की।

राज्यों का हिस्सा अपना बता रहा है केंद्र : एम के स्टालिन

» पीएम मोदी के जीएसटी सुधारों पर तमिलनाडु के सीएम ने साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा है कि उपभोक्ताओं को मिलने वाली राहत का 50 प्रतिशत हिस्सा राज्य सरकारों द्वारा वहन किया जाता है।

इसके अलावा, यह बताना हमारा कर्तव्य है कि इस राहत का 50प्रतिशत वास्तव में राज्य सरकारों द्वारा वहन किया गया है, एक तथ्य जिसे केंद्र स्वीकार करने के साथ-साथ सराहना करने में विफल रहा है। स्टालिन ने कहा कि केंद्र उन निधियों से इनकार कर रहा है जो सही मायने में राज्यों की हैं। डीएमके प्रमुख ने एक्स पर कहा कि तमिलनाडु को समग्रशिक्षा निधि से सिर्फ़ इसलिए वंचित किया जा रहा है क्योंकि हम सहिंदीट्ठअधिरोपण को स्वीकार नहीं करते। यह अन्याय कब खत्म होगा?

मोदी के इस बयान की आलोचना करते हुए कि जीएसटी सुधारों और आयकर में राहत से भारतीयों को 2.5 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। स्टालिन ने कहा कि विपक्ष की यही मांग रही है। उन्होंने आगे कहा कि अगर ये उपाय आठ साल पहले किए गए होते, तो देश भर के परिवार पहले ही कई लाख करोड़ रुपये बचा चुके होते।

रालोद, अपना दल के बाद और भी बढ़ा रहे बीजेपी की टेंशन

ओपी राजभर के बेटे के अरविंद राजभर बयान से भाजपा परेशान

इशारों में कर दिया बड़ा दावा, उड़ी एनडीए की हवा

» **सुभासपा नेता डॉ. अरविंद राजभर ने कहा- हमने जब भी चुनाव लड़ा है गठबंधन में तो निरंतर प्रयास रहा है कि हमेशा हम बढ़ते क्रम में रहे**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। भाजपा के सहयोगी उसका टेंशन कम करने के बजाय उसके लिए आफत खड़ी करते जा रहे है। रालोद, अपना दल एस के बाद ओपी राजभर के बेटे ने बढ़ा दी बीजेपी की टेंशन बढ़ा दी है। वाराणसी में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता अरविंद राजभर की मौजूदगी में एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में चुनाव को लेकर सुभासपा नेता डॉ. अरविंद राजभर ने कहा कि हमने जब भी चुनाव लड़ा है गठबंधन में तो निरंतर प्रयास रहा है कि हमेशा हम बढ़ते क्रम में रहे और प्राकृतिक नेचर भी यही है। प्रकृति भी यही कहती है। जब वर्ष 2017 गठबंधन में हम थे तो 8 सीटों पर लड़े, साल 2022 में हम 18 सीटों पर लड़े।. अब इसी क्रम अनुसार आप सोच लीजिए कि हम वर्ष 2027 में कितने सीट पर लड़ेंगे। उन्होंने 8 से 18 इशारा करते हुए 28 सीट पर लड़ने का विचार बताया। इसके अलावा उन्होंने वाराणसी के 2 विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ने के लिए स्थिति स्पष्ट कर दी और कहा कि हम वाराणसी में जरूर विधानसभा लड़ेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं है. 8 सीट है तो हम 2 सीट पर दावा कर रहे हैं। पिछली बार हम 1 सीट पर चुनाव लड़े थे, इस बार हम दो सीट पर चुनाव लड़ेंगे।

कुछ अधिकारी योगी सरकार को बदनाम कर रहे : राजभर

वाराणसी में पुलिस और वकील के बीच चल रहें प्रकरण को लेकर सुभासपा नेता अरविंद राजभर ने कहा कि पुलिस और वकील लंबे समय से परंपरागत तरीके से एक दूसरे के घोर विरोधी रहे हैं. न्यायालय परिसर में भी यह बात देखने को मिलती है और बनारस का जो माहौल भयावह बना हुआ है,आपसी संघर्ष चल रहा है. इसमें कहीं दो राय नहीं है की कुछ ऐसे अधिकारी हैं जो योगी जी की सरकार को निरंतर बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं. कुछ अधिकारियों को ना तो अपने नौकरी की चिंता है, ना किसी की, उनको बस इस बात की चिंता है कि माहौल कैसे खराब हो। वह विपक्ष की मंसा के अनुसार काम कर रहे हैं और इसीलिए बनारस में ऐसा माहौल उत्पन्न हुआ है. गाजीपुर में सुभासपा कार्यकर्ता को महिला पुलिसकर्मी द्वारा मारे जाने वाले थप्पड़ प्रकरण को लेकर कहा की–कन्फ्यूजन की स्थिति हो गई थी। हमने दोनों पक्षों से बात की है।

अखिलेश यादव विपक्ष के अच्छे नेता : अरविंद राजभर

अरविंद राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव को पहले इतिहास पढ़ना चाहिए. अखिलेश को कौन सी योजना बनानी चाहिए। इसको लेकर उनके करीबियों द्वारा हीं उनको भ्रमित किया जा रहा है. उनको ऐसे उटपटांग बयान दिला करके उनकी सियासी जमीन खींचने और एजेंडे से डायवर्ट किया जा रहा है। अखिलेश यादव विपक्ष के अच्छे और बड़े नेता हैं. वो ऐसा काम नहीं कर रहे हैं।

पार्टी बनाकर एक सीट के लिए तरस रहे थे शिवपाल : रोहित

आरएलडी नेता रोहित अग्रवाल ने आगे कहा कि, शिवपाल यादव ने पुत्र मोह में अपनी पार्टी पुनः समाजवादी पार्टी में विलय कर दी और उनके साथ गए सभी कार्यकर्ताओं को सड़क पर छोड़ दिया, इससे बड़ा धोखा इतिहास में नहीं हो सकता। कृपया अपने गिरेबान में झांके। शिवपाल यादव अपनी पार्टी बनाकर एक एक सीट को तरस रहे थे।

शिवपाल सिंह यादव ने रालोद को बताया धोखेबाज

राष्ट्रीय लोक दल नेता को लेकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के दिये गए बयान पर सियासी बखेड़ा खड़ा हो गया है। अब इस बयान रालोद की तरफ से पलटवार किया गया है। रालोद ने एक्स पोस्ट के जरिये शिवपाल सिंह यादव और समाजवादी पार्टी पर हमला बोला गया है। पार्टी नेता ने यह तक कह दिया है कि समाजवादी पार्टी ने धोखे के सिवाय आज तक क्या दिया है। राष्ट्रीय लोक दल नेता रोहित अग्रवाल ने सपा महासचिव शिवपाल यादव के बयान पर पलटवार किया है। रोहित ने एक्स

पर लिखा, समाजवादी पार्टी ने सिवाय धोखे के आज तक दिया क्या है, पहले मुलायम सिंह ने चौधरी अजीत सिंह जी को धोखा देकर पार्टी बना ली, अखिलेश यादव ने शिवपाल यादव को धोखा देकर पार्टी पर कब्जा कर लिया। दरअसल, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल सिंह यादव से रविवार (21 सितंबर 2025) को शामली में पत्रकारों ने भविष्य में राष्ट्रीय लोक दल से गठबंधन को लेकर सवाल पूछा था। शिवपाल यादव ने पत्रकारों को जवाब देते हुए कहा था कि, धोखेबाजों के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा, उनसे दूर ही रहना होगा। आपको बता दें कि शिवपाल यादव यहां सपा एमएलसी किरणपाल कश्यप के घर पर पहुंचे थे। जहां उन्होंने उक्त बयान दिया था।

पार्टी में उठता हुआ धुआं नई पीढ़ी के लिए खतरनाक

» **क्लबों से निकलती गोलियों की आवाज में रमे**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में देर रात पार्टी का चलन अब खतरनाक मोड़ ले चुका है। क्लबों के बाहर आए दिन गोलियों की तड़तड़ाहट से इलाके गूंज उठते हैं।

अक्सर पार्टियों में शराब के साथ सिगरेट पीना फायर गन शॉट का धुआं युवाओं और युवतियों के हानिकारक बनता जा रहा है अधिकतर पार्टी करते समय क्लब के इतना धुआं भर जाता है जिससे लोगों को सांस जैसी बीमारी खतरा मंडराता है जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही खतरनाक साबित होता दिखाई दे रहा है।

राजधानी लखनऊ के युवाओं को नहीं आती नींद

राजधानी में तीन दिन जमकर होती है पार्टी

शुक्रवार, शनिवार, रविवार इन तीन दिनों लखनऊ के क्लबों में पार्टी उरूज पर रहती है। समिट बिल्डिंग में रात 12 बजे के बाद पार्टी बंद होते ही युवक-युवतियां टॉनिक और जे क्लब जैसे ठिकानों पर पहुंचते हैं। जहां जे क्लब में पार्टी रात 2 बजे तक चलती है तो टॉनिक क्लब में सुबह 4 बजे तक। बीते दिन टॉनिक क्लब में गोली चलने की घटना सामने आई। यह कोई पहला मामला नहीं था, इससे पहले प्लासियो मॉल के बाहर और अंदर भी कई बार फायरिंग हो चुकी है।

सीसीटीवी चेक कराकर की जाएगी कार्रवाई

थाना विभूति खंड क्षेत्र अंतर्गत डीएलएफ माई पैड के बाहर दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। मामला इतना बढ़ा कि सड़क पर अखाड़ा बन गया और राहगीरों में अफरातफरी मच गई। घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे विभूति खंड डीएलएफ बिल्डिंग के पास का बताया जा रहा है। इस पर इंस्पेक्टर विभूति खंड का कहना है सीसीटीवी चेक कराए जा रहे है पूरी घटना का जांच कर मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आए दिन होती है हवाई फायरिंग

हाइप रूम (समिट बिल्डिंग) से निकलते ही दबंगों ने हमजा नामक युवक पर हमला कर बीच सड़क पर हवाई फायरिंग की। वहीं, हाल ही में खुले जलवा क्लब (साइबर हाइट) में गार्डों ने युवकों के साथ की मारपीट और डीएलएफ में पार्टी के दौरान गोली चलने की घटना भी सामने आ चुकी है। अब सवाल खड़ा होता है- राजधानी लखनऊ में देर रात चल रही इन पार्टियों और बार-बार हो रही फायरिंग को रोकने के लिए प्रशासन क्या कदम उठाएगा? राजधानी के विभूति खंड क्षेत्र का हाल एक बार फिर सुर्खियों में है। कभी क्लबों के बाहर गोलियों की तड़तड़ाहट तो अब बीच सड़क पर खुलेआम मारपीट।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महिलाओं के सशक्तीकरण में गिरावट सरकार के लिए खतरा

सवाल यह उठता है कि क्या महिलाएं कभी पुरुषों के बराबर आर्थिक स्तर पर पहुंच पाएंगी, क्या कभी महिलाओं के घरेलू काम-काज, बच्चों की देखभाल जैसे कार्यों को आर्थिक गतिविधियों की श्रेणी में देखा जाएगा, और क्या पुरुष उन्हें मानसिक बोझ को बांटने में बराबरी कर पाएंगे। इन सवालों पर दशकों से चर्चा होती रही है फिर भी प्रत्येक समाज में प्रत्येक युग में लैंगिक भिन्नता बनी हुई है।

भारत की महिलाएं पिछड़ रही हैं। यह रिपोर्ट सरकार के इस दावे की पोल खोल रही है जिसमें वह महिला सशक्तिकरण का ढिंढोरा पिटती है। रिपोर्ट में भारत की शैक्षणिक उपलब्धि, स्वास्थ्य और जीवनयापन में सुधार पर प्रकाश डाला गया है, लेकिन राजनीतिक सशक्तिकरण में गिरावट और आर्थिक भागीदारी में लगातार चुनौतियों को दर्शाया गया है। विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक-2025 के अनुसार लैंगिक समानता में भारत 64.1 प्रतिशत स्कोर के साथ 148 देशों में 131वें स्थान पर है जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है। सवाल यह उठता है कि क्या महिलाएं कभी पुरुषों के बराबर आर्थिक स्तर पर पहुंच पाएंगी, क्या कभी महिलाओं के घरेलू काम-काज, बच्चों की देखभाल जैसे कार्यों को आर्थिक गतिविधियों की श्रेणी में देखा जाएगा, और क्या पुरुष उन्हें मानसिक बोझ को बांटने में बराबरी कर पाएंगे। इन सवालों पर दशकों से चर्चा होती रही है फिर भी प्रत्येक समाज में प्रत्येक युग में लैंगिक भिन्नता बनी हुई है। इस दिशा में ऐसा क्या किया जाए जो सदियों से चली आ रही लैंगिक भिन्नता समाप्त हो जाए।

हाल ही में प्रकाशित दो समाजशास्त्रियों कॉर्डेलिया फाइन और एलिसन डैमिंगर की पुस्तकें इन पक्षों को नए दृष्टिकोण से देखने और समाधान निकालने का सुझाव देती हैं। कॉर्डेलिया फाइन तर्क देती हैं कि कार्यस्थल में लैंगिक असमानता एक संरचनात्मक घटना है, न कि कोई व्यक्तिगत मुद्दा। उनका तर्क है कि महिला एवं पुरुष के बीच यह असमानता जन्मजात भिन्नता के कारण नहीं है बल्कि उस व्यवस्था के प्रति एक तार्किक प्रतिक्रिया है जो महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण करियर और पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाना मुश्किल कर देती है। वहीं एलिसन डैमिंगर तर्क देती हैं कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक संज्ञानात्मक श्रम करती हैं। संज्ञानात्मक श्रम से तात्पर्य योजना बनाने, संगठित करने, प्रबंधन करने और समस्या-समाधान करने के अदृश्य मानसिक प्रयास से है, जो शारीरिक कार्यों से अलग है। इसमें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से घरेलू कार्य, बच्चों की देखभाल और रिश्तों के लिए आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाना, निर्णय लेना और परिणामों की निगरानी करना शामिल है और इस तरह के कार्यों का भार अक्सर महिलाओं पर पड़ता है, जिससे उनमें संभावित तनाव बढ़ जाता है। इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि महिलाएं पारिवारिक जिम्मेदारियों का मानसिक कार्यभार असमान रूप से वहन करती हैं। खाना बनाना, बर्तन धोना, घर को व्यवस्थित करना, साफ-सफाई करना, महिलाओं का ही मुद्दा क्यों माना जाता है? क्यों उन्हें इन कामों को इनमें अंतर्निहित मूल्यों के अनुसार मूल्यांकित नहीं किया जाता। आज बड़ी संख्या में महिलाएं वेतनभोगी या आर्थिक इकाई के रूप में अपना योगदान कर रही हैं फिर भी वे परिवार का ज्यादातर मानसिक बोझ उठाती हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कश्मीर की जटिल पहेली के निहितार्थ

ज्योति मल्होत्रा

दिल्ली उच्च न्यायालय में यासीन मलिक का शपथपत्र, जिससे एक बड़ा बवाल खड़ा हो सकता था, सिर्फ इस वजह से क्योंकि यह रहस्योद्घाटित करता है कि पिछले तीन दशकों में विभिन्न विचारधाराओं वाली सरकारों ने कैसे इस कश्मीरी अलगाववादी नेता को कभी दुलारा तो कभी झटक दिया। यह हल्फनामा उसी माह में आया है जब एक साल पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए थे। शायद कुछ लोग उबासी लेते हुए पूछेंगे, कौन यासीन मलिक? अन्य, जिन्हें 1989 में तत्कालीन गृहमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया के अपहरण और 1990 में कश्मीर में चार वायुसेना अधिकारियों की निर्मम हत्या में यासीन की भूमिका के बारे में पता होगा। उन्हें पता होगा कि यासीन को तब से लेकर अब तक, हर प्रधानमंत्री- चंद्रशेखर, पीवी नरसिम्हा राव, आईके गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के अलावा प्रधानमंत्री मोदी के पहले कार्यकाल में भी वार्ताकारों ने डोरे डाले।

एक तरह से, मलिक का हलफनामा पिछले दशकों के कश्मीर का कहानीनामा है। यह शक्तिशाली भारतीय राज्य द्वारा इस अशांत क्षेत्र में शांति लाने हेतु अनेक प्रयोगों को समेटे हुए है- यासीन जैसे अतिवादी और मीरवाइज उमर फारूक जैसे उदारवादी नेताओं के अतिरिक्त हिजबुल मुजाहिदीन के नेताओं को लुभाना, इस आस में, कि ये अलगाववादी पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को नया अध्याय बनाने पर मना लेंगे- और यह भारत और पाक के नेताओं के बीच एक ठोस वार्ता प्रक्रिया की ज़मीन तैयार करने में मददगार रहेगा। कम-से-कम 16 सालों तक, 1998 में बाजपेयी के प्रधानमंत्री बनने से लेकर 2014 में मनमोहन सिंह के सत्ता गंवाने तक, भारतीय राज्य ने ऐसी महत्वाकांक्षी त्रिकोणीय वार्ताओं की कोशिशें जारी रखी- भारत के कश्मीरी अलगावादियों और पाकिस्तान के मध्य, भारतीय कश्मीरी नेताओं और केंद्र सरकार के बीच, और भारत एवं पाकिस्तान के बीच। इसकी व्याख्या वाजपेयी से बेहतर कोई नहीं कर सकता था, जब 2003 में उन्होंने श्रीनगर यात्रा में कहा, 'भारत कश्मीरियों से इंसानियत, कश्मीरियत और जम्हूरियत के दायरे में बात करेगा'।

यहां 'संविधान' शब्द का जिक्र नहीं था, फिर भी हर कोई जानता था कि लक्ष्मण रेखा क्या है- हिंसा नहीं; क्योंकि ये बातचीत के दरवाजे बंद कर देती है।इसलिए जब मनमोहन सिंह ने वाजपेयी के काम को आगे बढ़ाया, तो

देश ने श्लाघा की। यह कभी न भूलें कि मनमोहन सिंह ने न केवल 2006 में नेपाल में नेपाली लोकतंत्र में मदद की, बल्कि उन्होंने पहली बार कश्मीरी नेताओं को नियंत्रण रेखा के परे पाक जाने को प्रोत्साहित किया ताकि गुंझलदार और बंद पड़ी सीमारेखा को लचीला बनाया जा सके। इस बीच, सिंह के विशेष दूत और पूर्व राजनयिक सतिंदर लांबा, दुबई और लंदन में अपने पाक समकक्षों से मिल कर चार-सूत्रीय फॉर्मूला का मसौदा तैयार कर रहे थे। जिससे कि न केवल कश्मीर में शांति बहाल हो बल्कि उस संत्रास का हल भी, जिससे भारत-पाक को 1947 में गुजरना पड़ा। उपमहाद्वीप में रोमांच था कि क्या यह दीर्घकालीन सुखद स्थिति होगी। यासीन मलिक के बारे में एक कहानी है, जो कश्मीर मामलों के जानकार और 1990 के दशक के भयावह दिनों में कश्मीर में नियुक्त रहे आईएएस अधिकारी वजाहत हबीबुल्लाह बताते हैं। यह 2002 के घटनाक्रम के बारे में है, जब जम्मू-कश्मीर में चुनाव होने वाले थे, तब हबीबुल्लाह ने यासीन, मीरवाइज और हुर्रियत के लोगों से कहा कि अगर वे चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे तो उनसे कश्मीर के हक में बोलने की उम्मीद कैसे करें? हुर्रियत नेता सहमत हो गए, उनका सुझाव था कि एक राज्य चुनाव आयोग का गठन किया जा सकता है। कश्मीरी नेताओं ने पेशकश पर विचार-विमर्श किया और यासीन मलिक से कहा कि इस आयोग का हिस्सा बनने हेतु विश्वसनीय लोगों को राज्य संस्थान में शामिल करें- कर्ण सिंह को बतौर अध्यक्ष लिया।

बेशक, कर्ण सिंह कश्मीर के अंतिम हिंदू महाराजा हरि सिंह के पुत्र हैं, जो 1947 के अक्टूबर माह तक भी भारत में विलय को लेकर असमंजस में रहे, जब तक कि नेहरू-पटेल ने सेना भेजकर उन्हें अंतिम मौका नहीं दिया; कर्ण सिंह ने बतौर केंद्र का प्रतिनिधि शासक, अपने पिता की जगह 1949 में ली और अंतिम सदर-ए-रियासत बने। निस्संदेह, मौजूदा कालखंड कम संशय, अधिक स्पष्टता और कहीं कम विडंबनाओं भरा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, ऑपरेशन बालाकोट में रह गई गलतियों को ऑपरेशन सिंदूर ने सुधार दिया। एक साल पहले, और अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के पांच साल बाद, बतौर केंद्रशासित प्रदेश, जम्मू और कश्मीर में, फिर से चुनाव हुए। लेकिन अपने मुख्यमंत्री को नियुक्त करने का उत्साह अब मायूसी में बदल चला है।

पंकज चतुर्वेदी

पुस्तकें जो बन जाती हैं दर्द में दवा

तमिलनाडु के तिरुचि के महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल में एक उपेक्षित कोने में शुरू हुआ पुस्तकालय मरीजों, तीमारदारों और कर्मचारियों के लिए सुकून, ज्ञान और समय बिताने का माध्यम बन गया है। यहां कुछ पुस्तकें, पत्रिकाएं और अंग्रेजी-तमिल अखबार उपलब्ध हैं। कोविड काल में यह सिद्ध हो चुका है कि मनोरंजक किताबें मरीजों के उपचार में बेहद सहायक होती हैं। कोविड की दूसरी लहर के दौरान दिल्ली से सटे गाजियाबाद में कोरोना के लक्षण वाले मरीजों को एकांतवास में रखा जाता था। लेकिन आए दिन एकांतवास केंद्रों से मरीजों के झगड़े या तनाव की खबरें आ रही थीं। तब जिला प्रशासन ने नेशनल बुक ट्रस्ट के सहयोग से लगभग 200 बच्चों की पुस्तकें वहां वितरित कर दीं। रंग-बिरंगी पुस्तकों ने मरीजों के दिल में जगह बना ली और वे खुश नजर आने लगे। उनका समय पंख लगाकर उड़ गया।

डॉक्टरों ने भी माना कि पुस्तकों ने क्वारंटीन किए गए लोगों का तनाव कम किया, उन्हें गहरी नींद आई और सकारात्मकता का संचार हुआ। इससे उनकी स्वास्थ्य लाभ की गति भी बढ़ी। दिल्ली में भी छतरपुर स्थित राधास्वामी सत्संग में बनाए गए विश्व के सबसे बड़े क्वारंटीन सेंटर में हजारों पुस्तकों के साथ लाइब्रेरी शुरू करने की पहल की गई। यहां नेशनल बुक ट्रस्ट ने एक हजार किताबों के साथ उनकी पत्रिका 'पाठक मंच' बुलेटिन और 'पुस्तक संस्कृति' के सौ-सौ अंक भी रखे। वहां भर्ती मरीज जल्दी स्वस्थ और प्रसन्न दिखे। देश के अस्पतालों में मरीजों के साथ आने वाले तीमारदारों की उपस्थिति भीड़ और अव्यवस्था का बड़ा कारण है, क्योंकि वे अक्सर बिना काम के प्रतीक्षा क्षेत्र में समय बिताते हैं और मानसिक थकान का शिकार हो जाते हैं, जिससे अस्पताल प्रणाली पर भी दबाव बढ़ता है। तिरुची के अस्पताल के पुस्तकालय ने ऐसे तीमारदारों को सकारात्मक और व्यस्त रखने का समाधान खोजा है। दुनिया के विकसित देशों के अस्पतालों में पुस्तकालय की व्यवस्था का इतिहास सौ साल से भी पुराना है।

अमेरिका में 1917 में सेना के अस्पतालों में लगभग 170 पुस्तकालय स्थापित किए गए थे। ब्रिटेन में सन् 1919 में वार लाइब्रेरी की शुरुआत हुई। इसके बाद आज अधिकांश यूरोपीय देशों के अस्पतालों में मरीजों को व्यस्त रखने और ठीक होने का भरोसा देने के लिए ऐसी पुस्तकों की व्यवस्था है। ऑस्ट्रेलिया के सार्वजनिक अस्पतालों में तो आम लोग भी पुस्तकें पढ़ने के लिए ले सकते हैं। इंग्लैंड के मैनचेस्टर के क्रिस्टी कैंसर अस्पताल का पुस्तकालय तो पुस्तकों का वर्गीकरण रंगों के अनुसार करता है। जापान के अस्पतालों में बच्चों की किताबें बहुतायत में मिलती हैं और उन्हें अक्सर वयस्क ही पढ़ते हैं। भारत में तकरीबन अड़तीस हजार अस्पताल हैं, जिनमें कोई आठ लाख से अधिक मरीज हर दिन भर्ती होते हैं। इनके साथ तिमारदार भी होते हैं। अनुमान है कि कोई बीस लाख लोग चौबीसों घंटे अस्पताल परिसर में होते हैं। इनमें बीस फीसदी ही बेहद गंभीर होते हैं, शेष लोग बुद्धि से चैतन्य और ऐसी अवस्था में होते हैं जहां उन्हें बिस्तर पर लेटने या बाहर अपने मरीज का इंतजार करना एक उकताहट भरा काम होता है एें

आमतौर पर बड़े अस्पतालों में मरीजों और तीमारदारों के लिए लगाए गए टीवी, अक्सर तनाव बढ़ाने वाले कार्यक्रम दिखाते हैं, जबकि मोबाइल फोन अफवाहों और झूठी सूचनाओं का जरिया बन चुके हैं। इससे मरीजों का मानसिक संतुलन और तीमारदारों की शांति दोनों प्रभावित होती है। सर्वविदित है कि पुस्तकें एकांत में सबसे अच्छा साथ निभाती हैं। ये काले छपे हुए शब्द, दर्द और उदासी के दौर में दवा का काम करते हैं। हर किसी की जिंदगी में कुछ अच्छी किताबों का होना जरूरी है। किताबें सिर्फ मनोरंजन या इम्तिहान उत्तीर्ण करने के लिए नहीं होतीं, जिंदगी के रास्ते बनाने के लिए होती हैं। किताबों में हर मुश्किल सवाल, परिस्थिति का हल भले ही न छुपा हो लेकिन दुविधा काल में किताबें में पढ़ने से, समझने से उसकी सोच का सकारात्मक विस्तार होता है। लोगों को एक सात्विक मानसिक खुराक दे सकती हैं, जो उनके जल्दी रोगमुक्त होने में सहायक हो सकता है। यदि देश के सभी जिला अस्पतालों, मेडिकल कालेज और बड़े समूह के निजी अस्पतालों में हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषा की अच्छी पुस्तकें रखी जाएं, प्रत्येक भर्ती मरीज से कुछ रुपये लेकर उनका पुस्तकालय से एक या दो किताबें जारी करने का कार्ड बना दिया जाए तो यह नए तरीके का पुस्तकालय अभियान बन सकता है।

यदि प्रशासन या अस्पताल चाहें तो हर शहर में कुछ साहित्यप्रेमी लोग, सेवानिवृत्त जागरूक व्यक्ति ऐसे पुस्तकालयों के लिए नि:शुल्क सेवा देने को भी तैयार हो जाएंगे। प्रारंभ में साहित्य, सूचना, बाल साहित्य की पुस्तकें रखी जाएं जो मरीज या तिमारदार को भाषा-विषय-वस्तु और प्रस्तुति के स्तर पर ज्यादा कठिन न लगे। यदि मरीजों को दी जा रही दवा के साथ पुस्तकें आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें, तो अस्पताल से जाते समय उनके पास ज्ञान, सूचना और जिज्ञासा का ऐसा खजाना होगा, जो जीवनभर उनके साथ रहेगा। अस्पताल के दिन उन्हें बोझ नहीं, बल्कि एक उपलब्धि की तरह याद आएंगे। यही पुस्तकें वहां काम कर रहे चिकित्सकों और कर्मचारियों के लिए भी ऊर्जा का स्रोत बन सकती हैं। इसलिए देश की स्वास्थ्य नीति में हर अस्पताल में पुस्तकालय की स्थापना के लिए बजट का प्रावधान, नि:शुल्क दवा वितरण की तरह ही एक प्रभावी और दूरदर्शी कदम होगा।

उदासी को दूर भगाएंगे ये योगासन

क्या आप अक्सर बिना वजह उदासी महसूस करते हैं? हर चीज होते हुए भी मन खाली सा लगता है? तो इसे सिर्फ मूड स्विंग कहकर न टालें। बार-बार उदासी, मन का थक जाना या खालीपन का एहसास, ये सब किसी गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्या के संकेत हो सकते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में डिप्रेशन, एंग्जायटी और इमोशनल थकावट आम होती जा रही है, लेकिन इसका इलाज हमारे भीतर ही योग और प्राणायाम में छिपा है। हालांकि अगर लगातार दो हफ्तों से ज्यादा समय से आप निराशा, अनिच्छा, थकान, या आत्मग्लानि महसूस कर रहे हैं, तो किसी मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट से संपर्क करें। साथ ही इस तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्या से बचने के लिए नियमित योगाभ्यास भी कर सकते हैं। योग न सिर्फ शरीर को लचीला बनाता है, बल्कि यह मस्तिष्क में सेरोटोनिन और डोपामिन जैसे हैप्पी हार्मोन को भी संतुलित करता है।

बालासन

बालासन एक आरामदायक योगासन है जो शरीर और मन दोनों को शांत करने में मदद करता है। यह तनाव और चिंता को कम करके, पीठ दर्द से राहत दिलाने, पाचन में सुधार करने और शरीर को आराम देने में सहायक है। बालासन का अभ्यास मानसिक तनाव कम करता और आपके भीतर के डर और असुरक्षा की भावना को शांत करता है।

भस्त्रिका प्राणायाम

दिल को मजबूत बनाने, फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने और ऑक्सीजन का फ्लो भी बढ़ाने में भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास असरदार है। यह आसन तनाव और चिंता के प्रभावों का कम करता है और मानसिक शांति प्रदान करता है। अभ्यास के लिए रोजाना सुबह तीन या पांच मिनट नाक से गहरी और तेज सांस लें और छोड़ें।

शवासन

इस आसन के अभ्यास से तनाव और बेचैनी से राहत मिलती है। यह विश्राम आसन मानसिक थकान को दूर करता है और आपको आंतरिक शांति देता है। इस आसन के अभ्यास से मस्तिष्क शांत और तनाव व हल्के अवसाद से राहत पाने में मदद मिलती है। शवासन पूरे शरीर को आराम देता है। इस आसन से सिरदर्द, थकान और अनिद्रा की शिकायत को दूर किया जा सकता है। शवासन रक्तचाप कम करने में मदद करता है।

उदासी के कारण

डिप्रेशन या एंग्जायटी डिसऑर्डर, हार्मोनल असंतुलन, नींद की कमी या अनियमित दिनचर्या, पोषण की कमी (B12, विटामिन D)।

अनुलोम विलोम

यह ब्रीदिंग टेक्निक आपको मानसिक स्थिरता और भावनात्मक संतुलन प्रदान करती है। अनुलोम विलोम प्राणायाम के अभ्यास से मानसिक तनाव और चिंता में राहत मिलती है। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है। अनुलोम-विलोम एक प्रकार की ब्रीदिंग एक्सरसाइज है, जिसमें, हम एक बार अपने नाक की दाहिनी तरफ से सांस लेते हैं और बाएं से छोड़ते हैं। इसके बाद इसी प्रक्रिया को दोहराएं। यह एक आसान प्रक्रिया लग सकती है, लेकिन लंबे समय में इसके फायदे अनेक हैं। यह प्राणायाम दिमाग और नर्वस सिस्टम के लिए काफी फायदेमंद है। दिल की बीमारियां, हाई ब्लड प्रेशर या किसी अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को अनुलोम-विलोम करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

हंसना मना है

पप्पू ने अमरुद लिए तो उसमें से कीड़ा निकला। पप्पू अमरुद वाले से- इसमें तो कीड़ा है! अमरुद वाला- ये किस्मत की बात है, क्या पता अगली बार मोटरसाइकिल निकल जाए। पप्पू- 2 किलो और दे दो।

ससुरः मेरी बेटी का ख्याल, रखना, इसकी आंखों में आंसू ना आने पाये, लड़का-ठीक है प्याज, मैं काट दूंगा पर, बर्तन इसे ही धोने होंगे।

लड़का-लड़की बस स्टॉप पर खड़े थे। लड़का बोला- अच्छी लिपस्टिक है। लड़की- थैंक्स..!! लड़का- बालियां अच्छी हैं! लड़की- थैंक्स। लड़क- नेकलेस भी प्यारा है। लड़की- थैंक्स भइयाजी! लड़का- कमाल है, फिर भी चुड़ैल लग रही हो?

लड़की वाले- लड़का शराब पीता है? लड़के वाले- जी..बिलकुल पीता है और रोज पीता है, लड़की वाले- इसका मतलब अच्छा कमाता है।हमारी तरफ से ये रिश्ता पक्का?

ललन ऑटो वाला से- भैया चांद पर जाओगे? ऑटो वाला-800 करोड़ लगेगा। ललन-अरे इसरो ने तो 400 करोड़ में भेजा है, ऑटो वाला- अरे भाई उधर से वापसी नहीं मिलती है।

कहानी — सारा जग बेईमान

बादशाह अकबर और बीरबल एक दिन बैठकर अपनी प्रजा के बारे में बात कर रहे थे। बादशाह ने कहा कि तुम्हें पता है हमारी प्रजा बेहद ईमानदार है। इसका जवाब बीरबल ने ये कहते हुए दिया कि बादशाह सलामत, किसी भी राज्य में लोग पूरी तरह से ईमानदार नहीं होते हैं। सारा जग ही बेईमान है। बादशाह को बीरबल की यह बात पसंद नहीं आई। उन्होंने पूछा, बीरबल तुम ये कैसी बात कर रहे हो? बीरबल ने उत्तर दिया कि मैं एकदम सत्य कह रहा हूं। आप चाहो तो मैं अपनी बात अभी साबित कर सकता हूं। इतना आत्मविश्वास देखकर बादशाह बोले, ठीक है! जाओ तुम अपनी बात को सच साबित करके दिखाओ। बीरबल पूरी प्रजा की बेईमानी बाहर लाने के लिए तरकीब सोचने लगे। उनके मन में हुआ कि लोग खुलकर बेईमानी नहीं करते हैं, इसलिए कुछ अलग करना होगा। यह सोचते ही उन्होंने पूरे राज्य में यह एलान कर दिया कि बादशाह एक बड़ा सा भोज करना चाह रहे हैं। उसके लिए वो चाहते हैं कि पूरी जनता अपना योगदान दे। बस आप लोगों को ज्यादा कुछ नहीं एक लोटा दूध पतीले में डालना होगा। इतना ही प्रजा की तरफ से काफी है। इस बात का एलान करवाने के बाद जगह-जगह पर एक-दो बड़े-बड़े पतीले रखवा दिए गए। इतना बड़ा पतीला और राज्य की जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए, उसमें लोगों ने शुद्ध दूध डालने के बजाय पानी मिला हुआ दूध डाला। किसी-किसी ने तो सिर्फ पानी ही डाल दिया। हर किसी के मन में यही होता था कि सामने वाले ने तो दूध ही डाला होगा। अगर मैं पानी या पानी मिला हुआ दूध डाल दूंगा तो क्या ही हो जाएगा। शाम तक पतीलों में दूध इकट्ठा हो गया। बीरबल अपने साथ बादशाह अकबर और कुछ रसोइयों को उन जगहों पर ले गए जहां पतीले रखे गए थे। बादशाह ने जिस भी पतीले में देखा तो दूध नहीं, सिर्फ सफेद पानी ही दिखा। रसोइयों ने भी कहा कि महाराज ये दूध नहीं है। ये सारा पानी ही है। इसमें मुश्किल से आधे से एक लोटा दूध होगा, जिसकी वजह से इसका रंग हल्का सफेद है। वरना ये पानी से ज्यादा कुछ नहीं। इन सारी चीजों को देखकर बादशाह अकबर हैरान हो गए। उनके मन में हुआ कि मैं तो सबको ईमानदार समझता था, लेकिन बीरबल की ही बात सच निकली। उन्होंने बीरबल को कहा कि तुम ठीक ही कहते थे। मुझे हकीकत समझ आ गई है। इतना कहते हुए बादशाह, बीरबल और रसोइये वापस महल आ गए।

7 अंतर खोजें

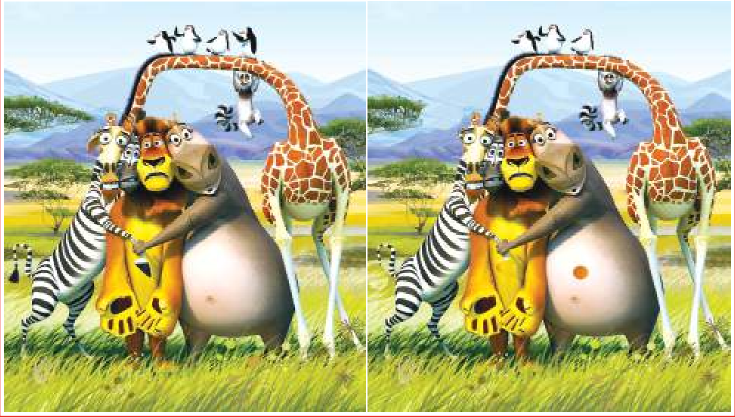

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष: सुख के साधन जुटेंगे। कानूनी बाधा दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। कुसंगति से बचें। परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है। व्यापार अच्छा चलेगा।

वृषभ: शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें। विवाद न करें। उतावली में कोई काम न करें।

मिथुन: विवाद से क्लेश होगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक करेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे।

कर्क: शत्रु सक्रिय रहेंगे। घर-बाहर तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे। भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें। संतान की इच्छा पूरी होगी।

सिंह: यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी सफल रहेंगे। धनार्जन होगा। पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें। आत्मविश्वास बना रहेगा।

कन्या: दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। भाग दौड़ रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बाँटना आवश्यक है।

तुला: प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। प्रसन्नता बढ़ेगी। कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी।

वृश्चिक: लेन-देन में सावधानी रखें। मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। धनार्जन होगा। रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी।

धनु: कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे।

मकर: कोई मुसीबत आ सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। फालतू खर्च होगा। जोखिम न उठाएं। व्यस्तता रहेगी। व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी।

कुम्भ: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। धनार्जन होगा। घर की चिंता रहेगी। विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे। मित्रों से मदद मिलेगी।

मीन: शत्रु परास्त होंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध हो सकते हैं। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है।

दादासाहेब फाल्के सम्मान मिलने पर मोहनलाल ने कहा

पहले तो यकीन ही नहीं हुआ, लगा कोई सपना है

मलयालम अभिनेता मोहनलाल को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में दादासाहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस पुरस्कार के लिए जब उनके नाम का एलान हुआ तो उन्होंने अपने फैंस, साथियों और मलयालम फिल्म उद्योग को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया है कि जब पीएम मोदी ने उन्हें फोन किया तब उन्हें कैसा लगा।

मीडिया से बात करते हुए भारतीय सिनेमा के बेहतरीन अभिनेता मोहनलाल ने कहा कि उन्हें लगता है कि यह पुरस्कार सिर्फ उनका नहीं, बल्कि पूरे मलयालम सिनेमा का है। उन्होंने उस पल को भी याद किया जब उन्हें इस सम्मान के बारे में बताया गया था, जिसे उन्होंने एक हैरतअंगेज सपने जैसा बताया।

मोहनलाल ने कहा मुझे खुशी है कि मलयालम सिनेमा को भारतीय सिनेमा में एक पुरस्कार मिला है। मैं ईश्वर के लिए काम कर रहा हूं। इसीलिए मैं कहता हूं कि यह पुरस्कार ईश्वर ने दिया है। हम अपने काम में ईमानदारी भी दिखाते हैं। मैं यह पुरस्कार सभी के साथ साझा करता हूं और उन लोगों को याद करता हूं जो इस दुनिया में नहीं रहे।

मोहनलाल ने कहा जब मुझे प्रधानमंत्री कार्यालय से फोन आया, तो पहले तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ। मुझे लगा कि यह बस एक सपना है। इसलिए मैंने उनसे दोबारा बताने को कहा। सिनेमा की कोई सीमा नहीं होती। अगर मुझे निर्देशन का मन करेगा, तो मैं निर्देशन करूंगा। मैं और भी बहुत कुछ करूंगा। अगर आप मुझसे पूछें कि सिनेमा के अलावा मेरा क्या सपना है, तो मैं अभी नहीं बता सकता।

दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बनी लोका

कल्याणी प्रियदर्शन की फिल्म 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। रिलीज होते ही फिल्म को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। यही कारण है कि बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही। अब 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' ने कमाई के मामले में कई रिकॉर्ड्स भी अपने नाम कर लिए हैं। लोका दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है।

दुलकर सलमान द्वारा निर्मित 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' ने मॉलीवुड का सर्वोच्च रिकॉर्ड अपने नाम करते हुए अपने चौथे वीकेंड में प्रवेश कर लिया है। यह अब 'एम्पुरान' को पछाड़कर दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म बन गई है। रिलीज के 25 दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 271 करोड़ से भी अधिक की कमाई कर ली है। इसके साथ ही लोका ने अब तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म 'एम्पुरान' (266 करोड़) को पीछे छोड़ दिया है।

यही नहीं 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' ने सिर्फ केरल में ही सौ करोड़ से अधिक की कमाई कर ली है। यानी देश में भी अन्य भाषाओं को छोड़कर सिर्फ मलयालम में ही फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। यह अपने आप में फिल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। 'लोका चैप्टर 1: चंद्रा' ने यह आंकड़ा अपने चौथे हफ्ते में पार किया है। लोका से पहले मोहनलाल की 'थुडरम' (118.90 करोड़) राज्य में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली मलयालम फिल्म है। केरल में तिहरे आंकड़े तक पहुंचने वाली 'थुडरम' अब तक की एकमात्र मॉलीवुड फिल्म थी। अब लोका भी इस फेहरिस्त में शामिल हो गई है।

बॉलीवुड | मन की बात

कुमार सानू की एक्स वाइफ का सनसनीखेज आरोप, प्रेग्नेंसी के दौरान सिंगर ने किया प्रताड़ित

कुमार सानू की पर्सनल लाइफ इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। सिंगर की एक्स वाइफ रीता भट्टाचार्य ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कुमार सानू संग अपने रिश्ते को याद कर रीता इमोशनल हो गईं। उन्होंने रोते हुए बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान कुमार सानू ने उन पर बहुत अत्याचार किया था। फिल्म विंडो को दिए इंटरव्यू में रीता ने कहा कि बोलने में बिल्कुल शर्म नहीं है कि इन बदतमीज लोगों को अपने खून की इज्जत नहीं है। अगर होता तो उनके डैडी बुढ़ापे में जाकर सबके सामने शादी करके घूमते। आज मेरा बच्चा इतना बढ़ा हो गया है। भगवान सबको अच्छा रखे। वो अपने पिता को बहुत प्यार करता है। वो हमेशा कहता था कि डैड कहां हैं। मुझे डैड के पास जाना है। रीता इतना बोलते हुए रोने लगती हैं। वो कहती हैं कि इस बारे में बात मत कीजिए। ये इंसान कभी भी नहीं था। मेरे तीन बच्चों और मेरी लाइफ इसने बर्बाद कर दी है। उन्होंने कुमार सानू पर ये भी आरोप लगाया कि उनके कई एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर थे। कुमार सानू की एक्स वाइफ कहती हैं कि उन्होंने जो गुल खिलाया है, वो दुनिया को नहीं पता है। एक तो अभी सामने आया है। एक के बाद एक सब आएगा। रीता भट्टाचार्य ने कुनिका सदानंद और कुमार सानू के रिश्ते पर तंज कसते हुए कहा- आज सभी सुन रहे हैं कि नाक के नीचे किसी और के साथ अफेयर चल रहा था। हां तो मेरे नाक मेरे नाक के नीचे भी तो वही अफेयर चल रहा था ना जो आज बाहर आया है। कुनिका सदानंद हों या रीता भट्टाचार्य ने कुमार सानू को लेकर बहुत कुछ कहा, लेकिन सिंगर की तरफ से इस पर अबतक कोई टिप्पणी सामने नहीं आई है। कुमार सानू और रीता भट्टाचार्य 1986 में शादी के बंधन में बंधे थे। शादी से उनके तीन बच्चे हुए, जिको, जारी और जान कुमार सानू। 1994 में दोनों का तलाक हो गया। तलाक के बाद कुमार सानू का कुनिका सदानंद संग अफेयर रहा, जो जगजाहिर था। इसके बाद 2001 में उन्होंने सोनाली भट्टाचार्य से दूसरी शादी कर ली।

सावधान! गलती से भी डायल कर दिया ये नंबर तो रिसेट हो जाएगा मोबाइल

टेक्नोलॉजी के इस दौर में ज्यादातर लोग स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते हैं। कुछ लोग आईफोन का इस्तेमाल कर रहे है तो कई लोग एंड्रॉयड फोन का। हालांकि ज्यादातर लोग एंड्रॉयड फोन चलाते हैं। फीचर्स की वजह से कई लोग एंड्रॉयड को आईओएस से बेहतर मानते हैं। बता दें कि एंड्रॉयड में कई सीक्रेट कोड्स भी होते हैं। ये सीक्रेट कोड्स बहुत काम के होते हैं। इनके जरिए आप अपने फोन की कोई भी जानकारी आसानी से हासिल कर सकते हैं। हालांकि अनजाने में कई कोड्स डायल करने से आपको परेशानी भी हो सकती है। जानते हैं इन सीक्रेट एंड्रॉयड कोड्स के बारे में। *#06#- हर फोन में एक IMEI नंबर होता है। यह नंबर बहुत काम का होता है। अगर आपको अपने फोन का आईएमईआई नंबर जानना है तो आपको अपने मोबाइल के डायलपैड पर *#06# दबाना होगा। इसे दबाने के बाद आपको आपके फोन का ्एम् नंबर आपकी स्क्रीन पर आ जाएगा। *#07#- यह स्क्रीन कोड आपके डिवाइस की Specific Absorption Rate (SAR) वैल्यू की जानकारी देता है। ऐसे में इसे चेक करने के लिए अपने फोन के डायलपैड से *#07# टाइप करना होगा। ये टाइप करते ही आपके डिवाइस की सार वैल्यू दिख जाएगी। #*#225#*#*- मोबाइल के कैलेंडर ने आपके डिवाइस पर कितना स्टोरज लिया है, इसे भी चेक किया जा सकता है। इसके लिए आपको #*#225#*#* कोड डायल करना होगा। फिर बाकी की डिटेल्स आपकी स्क्रीन पर दिखेगी। *#*#4636#*#*- यह एंड्रॉयड सीक्रेट कोड भी बहुत काम का है। इस सीक्रेट कोड के जरिए आप फोन की कई डिटेल्स के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस कोड से आप फोन की बैटरी, फोन और नेटवर्क स्टेटिस्टिक्स के बारे में जानकारी ले सकते हैं। *2767*3855#- यह सीक्रेट कोड आपके फोन को रिसेट करने के काम आता है। अगर आप अपने मोबाइल को रिसेट करना चाहते हैं तो आप *2767*3855# डायल करें। इससे आपका फोन फैक्ट्री रिसेट हो जाएगा और फोन का सारा डेटा खत्म हो जाएगा।

अजब-गजब | आखिर कहां लापता हो गए यहां के लोग

झारखंड का अनोखा गांव, यहां की आबादी हो गई है शून्य

आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने वाले हैं। जिसके बारे में सुनकर आप चौंक जाएंगे। गांव का नाम है और गांव भी है, लेकिन गांव के सारे लोग गायब है। जहां ढूंढने से भी कोई आदमी नहीं मिलता है। इस गांव के नाम पर कोई सरकारी योजना भी नहीं बनती है। सरकारी दस्तावेज में राजस्व ग्राम के रूप में दर्ज इस गांव की आबादी शून्य है।

इस गांव में न तो कोई घर मिलेगा, न ही कोई इंसान। अब बच गए हैं सिर्फ हरे-भरे जंगल। आम के पेड़ के नीचे कब्रगाह उनकी मौजूदगी की गवाही देती है। आखिर पूरा का पूरा गांव कहां चला गया है।

आइए जानते हैं कि खूंटी जिले के रनिया प्रखंड की जयपुर पंचायत के बिरहोर चुआं गांव में ऐसा क्या हुआ कि यहां कोई आदमी नहीं है। यहां बिरहोर आदिम जनजाति समुदाय के लोग होते हैं। ये घुमंतू हुआ करते हैं।

दशकों पहले बिरहोर चुआं में बिरहोर समुदाय के लोग रहा करते थे। पीने के पानी और अन्य कार्यों के लिए वे चुआं का उपयोग करते थे। यही वजह है उस स्थान का नाम बिरहोर चुआं पड़ गया। बाद में बिरहोर समुदाय के लोग उस गांव से कहीं चले गए। इसके बाद कभी लौट कर वापस नहीं आए। वे कहां गये और क्यों नहीं लौटे? अब तक इस संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं है। बिरहोर आदिम जनजाति समुदाय के होते हैं। ये घुमंतू हुआ करते हैं। दशकों पहले बिरहोर चुआं में बिरहोर समुदाय के लोग रहा करते थे। अधिकारियों से जब इस गांव के बाबत जानकारी ली जाती है, तो वे सिर्फ इतना ही कहते हैं कि बिरहोर चुआं नाम का गांव तो है, लेकिन आबादी शून्य है।

इस कारण सभी जगहों पर बेचिरागी गांव के रूप में रिपोर्ट भेज दी जाती है। यही वजह है कि इस गांव के नाम से कोई सरकारी योजना भी नहीं बनती है। जनगणना में भी जनसंख्या शून्य दर्शाया जाता है।

गोमांस पर 0 प्रतिशत जीएसटी को लेकर सियासी बवाल

गाय के नाम पर वोट लेना चाहती है भाजपा : पटवारी

» मप्र में कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेरा, प्रदेश अध्यक्ष बोले- गाय नहीं कटने देंगे

» 26-27 सितंबर को पूरे प्रदेश में करेंगे आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्र सरकार के गोमांस पर 0 प्रतिशज जीएसटी के फैसले का विरोध किया है। पटवारी ने कहा कि यह फैसला गोमांस के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है और कांग्रेस पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार ने गोवंशीय पशुओं के मांस पर जीएसटी दरें शून्य कर दी हैं। इसका क्या मैसेज है। गोभक्त मुख्यमंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस फैसले का विरोध करेगी। हम किसी भी कीमत पर गाय नहीं कटने देंगे और गोमांस का निर्यात नहीं होने देंगे। गाय माता की रक्षा करेंगे और नकली गोभक्तों का चेहरा बेनकाब करेंगे।

पटवारी ने कहा कि 26 और 27 सितंबर को कांग्रेस पार्टी पूरे मप्र में इसके विरोध में आंदोलन करेगी। पटवारी ने कहा कि अभी मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पहले कहा कि हम गो भक्त हैं और कांग्रेसी दूसरे जानवर पालते हैं। कांग्रेस का विचार वो है जो हिन्दू धर्म का विचार है। जियो और जीने दो का जो जैन धर्म का विचार है। प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो। जब विश्व के कल्याण की हम बात करते हैं तो उसमें इंसानों, जीव जंतुओं प्रकृति की रक्षा की बात होती है। बीजेपी और मोहन यादव इससे अलग सोच रखते हैं। वोट लेने के लिए गाय की पूजा करते हैं। पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एक आंदोलन चलाएगी। जिसमें सभी गोशालाओं की हम विजिट करेंगे। सड़क पर जो गो माताएं हैं उन्हें घेरकर हम कलेक्टर ऑफिस ले जाएंगे। मोहन यादव को आगाह कर रहा हूं अगर आपने गोमांस पर पर जीरो जीएसटी किया तो इसका हम विरोध करते हैं। आठ साल से जो जीएसटी वसूली गई वो वापस की जाए। पटवारी ने कहा- वे गाय की पूजा क्यों करना चाहते हैं इसलिए क्योंकि गाय के नाम पर वोट लेना है। बीजेपी गाय का कत्ल कराती है। पटवारी ने कहा कि मैं आरोप लगा रहा हूं कि दुनिया में सबसे ज्यादा गोमांस का एक्सपोर्ट कहीं से हो रहा है तो वो भारत से हो रहा है।

गोमांस निर्यात की फैक्ट्री चलाने वाली कांग्रेस अब गो-भक्ति का नाटक कर रही: रामेश्वर शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कांग्रेस पार्टी गोमांस की सबसे बड़ी निर्यातक रही है और अब गो-भक्ति का नाटक कर जनता को गुमराह कर रही है। कांग्रेस के नेताओं के हाथ पर गोमाता का खून लगा है। ये वही लोग हैं जो केरल में चौराहों पर गोवंश की हत्या कर गोमांस खाने के प्रदर्शन करते हैं और चुनाव आते ही गाय के नाम पर वोट मांगते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए गाय सिर्फ राजनीति का मुद्दा नहीं बल्कि सनातन संस्कृति और आस्था का प्रतीक है, जबकि कांग्रेस के लिए यह सिर्फ तुष्टिकरण और वोट बैंक का सौदा है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने 2004 में मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध कानून लागू कर गोहत्या और अवैध परिवहन पर कड़ा प्रतिबंध लगाया है। जीएसटी की मौजूदा दरों को तय करने वाली जीएसटी काउंसिल में कांग्रेस शासित राज्य सरकार के प्रतिनिधि शामिल थे। कांग्रेस उन राज्यों में जीएसटी का विरोध क्यों नहीं कर रही जहां खुद सत्ता में है। गोरक्षा के लिए कार्य करने वाले करपात्री महाराज पर गोली चलाने का आदेश देने वाली राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी थी। शर्मा ने कहा कि जीतू पटवारी को याद होना चाहिए कि 2018 में भूल से बनी कांग्रेस सरकार ने 2004 में भाजपा सरकार द्वारा मध्यप्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध कानून पर संशोधन की कोशिश की थी, जिससे गो तस्करों को खुली छूट दी जा सके।

राहुल के विरुद्ध मानहानि मामले में अगली सुनवाई नौ अक्टूबर को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रायबरेली से सांसद के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि गवाही देने के लिए उपस्थित थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के पिताम्बरपुर कलां निवासी अनिल मिश्रा से पूर्व में नौ सितंबर को शुरू हुई जिरह पूरी नहीं हो सकी थी, जिसे आज पूरा कर लिया गया उन्होंने बताया कि अब नौ अक्टूबर को दूसरे गवाह रामचंद्र दूबे से जिरह होगी। कोतवाली देहात क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का मुकदमा सांसद/विधायक अदालत में दर्ज कराया था।

उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने कथित रूप से एक अभद्र टिप्पणी की थी, जिससे वे आहत हुए। अदालत में पांच वर्षों तक मामले की सुनवाई चली, लेकिन राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए। दिसंबर 2023 में तत्कालीन न्यायाधीश ने उनके विरुद्ध वारंट जारी करते हुए उन्हें तलब किया था। इसके बाद, फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने अदालत में आत्मसमर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दे दी थी। इसके बाद अदालत ने उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया था। कई तारीखों के बाद, 26 जुलाई को राहुल गांधी अदालत पहुंचे और अपना बयान दर्ज कराया।

श्रीलंका एशिया कप के फाइनल की दौड़ से बाहर

» सुपर-4 में लगातार दूसरी हार, पाकिस्तान ने पांच विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अबु धाबी। पाकिस्तान ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराकर एशिया कप के फाइनल की दौड़ में खुद को बरकरार रखा है। वहीं, चरिथ असलंका के नेतृत्व वाली टीम के लिए फाइनल में पहुंचना अब लगभग मुश्किल हो गया है। मंगलवार को अबु धाबी में खेले गए एशिया कप के सुपर-4 मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने कामिंदु मेंडिस की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट पर 133 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने हुसैन तलत और मोहम्मद नवाज की नाबाद अर्धशतकीय साझेदारी के दम पर 18 ओवर में पांच विकेट पर 138 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारत के खिलाफ पिछले मैच में शिकस्त झेलने वाले पाकिस्तान ने श्रीलंका के 134 रन के लक्ष्य को मोहम्मद नवाज नाबाद 38 रन और तलत नाबाद 32 रन के बीच छठे विकेट की 58 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत हासिल कर लिया। श्रीलंका की ओर से महीश तीक्ष्णा (24 रन पर दो विकेट) और वानिंदु हसरंगा (27 रन पर दो विकेट) की स्पिन जोड़ी ने उम्दा गेंदबाजी की लेकिन श्रीलंका को हार से नहीं बचा पाए। श्रीलंका ने इससे पहले शाहीन (28 रन पर तीन विकेट), तलत (18 रन पर दो विकेट) और हारिस राऊफ (37 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम आठ विकेट पर 133 रन ही बना सकी। कामिंदु मेंडिस 44 गेंद में 50 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने चमिका करुणारत्ने (नाबाद 17) के साथ सातवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया जो पारी की सबसे बड़ी साझेदारी भी रही।

श्रेयस अय्यर ने लिया टेस्ट प्रारूप से ब्रेक

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर ने अचानक टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है। इसकी जानकारी उन्होंने भारतीय टीम की चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को पत्र लिखकर दी। बता दें कि अय्यर ने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ शुरू हुए दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में भारत ए की कप्तानी छोड़ दी थी। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम की अगुवाई का जिम्मा सौंपा गया। बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से कहा, अय्यर इंडिया ए टीम प्रबंधन को बताया कि वह निजी कारणों से मुंबई गए हैं, वहीं उन्होंने चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर को पत्र लिखकर बताया कि उनकी पीठ फिलहाल प्रथम श्रेणी और टेस्ट क्रिकेट में खेलने में सक्षम नहीं है। पीठ की समस्या से जूझ रहे अय्यर का अब वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने की शुरुआत में होने वाली दो टेस्ट मैचों की घेरलू सीरीज में भी खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने हाल ही में बताया था कि वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए चयन समिति 23 या 24 सितंबर को ऑनलाइन बैठक करेगी और टीम का चुनाव होगा।

भाजपा और पीडीपी पर भड़की नेका

» जम्मू-कश्मीर में चल रहा दोहरी सत्ता का खेल : सुरिंदर चौधरी

» उपमुख्यमंत्री बोले- एक चुनी हुई, एक थोपी गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को वास्तव में एक साथ दो सरकारें चला रही हैं। एक जनता की ओर से चुनी हुई और दूसरी जनता पर थोपी गई। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर हमलों के लिए विपक्ष की आलोचना की। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में चौधरी ने विपक्ष के नेता पर भाजपा-पीडीपी गठबंधन में मंत्री पद पर रहने के बावजूद हमेशा नेकां को निशाना बनाने का आरोप लगाया। चौधरी ने कहा, वह (नेता विपक्ष) भाजपा-पीडीपी सरकार में मंत्री थे।

उन्होंने लोगों के लिए कुछ नहीं किया और अब नेकां पर आरोप लगाते रहते हैं। यह सब पाखंड है। चौधरी ने कहा, उनकी पार्टी को शासन करने और लोगों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए खुली छूट की आवश्यकता है। हमें खुली छूट दीजिए और फिर देखिए हम जम्मू-कश्मीर को कहां ले जाते हैं। हम अपने हर वादे को पूरा करेंगे।

भाजपा और पीडीपी भाई जैसे हैं

उपमुख्यमंत्री ने भाजपा और पीडीपी पर हमला बोलते हुए कहा कि दोनों पार्टियों ने लंबे समय से एक ऐसी व्यवस्था बनाए रखी है जिससे उन्हें राजनीतिक रूप से फायदा हुआ है लेकिन आम लोगों को नुकसान। भाजपा और पीडीपी भाई जैसे हैं। उन्होंने पहले लोगों को बेवकूफ बनाया। अब वे और बेवकूफ नहीं बना सकते। प्रदेश के लोगों ने एक दशक तक कठिनाइयां देखी हैं।

चौधरी ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रदेश के लोगों से किए गए वादों को पूरा करेंगे जिसमें पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना भी शामिल है। उन्होंने हाल ही में आई बाढ़ व श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर बार-बार बंद होने से हुई तबाही के लिए व्यापक वित्तीय पैकेज की भी अपील की। कहा, हम केंद्र से बाढ़ व राजमार्ग बाधित होने से हुए नुकसान के बाद जीवन के पुनर्निर्माण में मदद के लिए एक बड़े पैकेज की भी उम्मीद करते हैं।

अमेरिका में भारतीय समुदाय की चुप्पी आश्चर्यजनक : थरूर

» भारत से जुड़ी नीति में बदलाव पर बोले पूर्व विदेश मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय-अमेरिकी प्रवासी समुदाय ने इस मामले पर चुप्पी क्यों साध रखी है। एमी बेरा के नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्यों ने भी इस पर बात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल कुछ सदस्य भारतीय मूल के हैं। भारत की एक संसदीय समिति ने अमेरिका की ओर से हाल ही में भारत के खिलाफ लिए गए प्रतिकूल फैसलों का मुद्दा अमेरिकी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल के समक्ष उठाया।

अमेरिका से डेमोक्रेटिक पार्टी के पांच सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल भारत आया है, जिसमें शामिल सांसद ट्रंप की नीतियों के आलोचक रहे हैं। थरूर ने बैठक के बाद कहा कि समिति के सदस्यों ने सवाल किया कि भारतीय-अमेरिकी प्रवासी समुदाय ने इस मामले पर चुप्पी क्यों साध रखी है।

भाजपा पर आग बबूला हुई कांग्रेस

बिहार विस चुनाव की तैयारी में जुटी पार्टी, सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में गरजे मल्लिकार्जुन, बोले- वोट काटना गरीब के हक की चोरी

» नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और बड़ी संख्या में केंद्रीय व राज्य स्तरीय नेता मौजूद रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। भारत की सबसे पुरानी पार्टी ने बिहार विस चुनाव के लिए कमर कसने की तैयारी में जुट गई है। बिहार में पहली बार कांग्रेस कार्य समिति की विस्तारित बैठक की शुरुआत हो चुकी है। पार्टी के तमाम राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नेता आज दिनभर बैठक के माध्यम से देश और बिहार की भावी राजनीति, उसकी चुनौतियां संकट और निदान को लेकर चर्चा करेंगे। हालांकि प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी का पटना दौरा रद हो गया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर हमारी मुसीबतें मोदी और उनकी सरकार की नाकामी उनकी कूटनीतिक विफलता का नतीजा है। पटना में हो रही सीडब्ल्यूसी की यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे समय में मिल रहे हैं, जबकि, अन्तराष्ट्रीय और राष्ट्रीय , दोनो स्तरों पर भारत एक बेहद चुनौतीपूर्ण और चिंताजनक दौर से गुजर रहा है। खरगे आज सदाकत आश्रम में सीडब्ल्यूसी की बैठक को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि सदाकत आश्रम स्वाधीनता आंदोलन का केंद्र बिंदु था। 1921 में स्थापित कांग्रेस का यह ऐतिहासिक दफ्तर पार्टी के अनेकों महान नेताओं की कर्मस्थली रहा है। मैं आज उन्हें भी विशेष श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

पीएम मोदी के दोस्त ही भारत को अनेकों संकट में डाल रहे हैं

पीएम मोदी पर हमलावर होते हुए खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री जिनको मेरे दोस्त बताकर ढिंढोरा पीटते हैं, वही दोस्त आज भारत को अनेकों संकट में डाल रहे हैं। आज जब हमारी वोटर लिस्ट से आधिकारिक रूप से छेड़छाड़ की का रही है। आवश्यक है कि हम लोकतंत्र की जननी बिहार में अपनी मीटिंग आयोजित करके इस देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाए रखने के अपनी प्रतिज्ञा को पुनः दोहराए । उन्होंने कहा कि ठीक 85 साल पहले रामगढ़ अखिल भारतीय कांग्रेस सेशन में पहली बार संविधान सभा का प्रस्ताव आया था। महात्मा गांधी, पं0 नेहरू, सरदार पटेल, डॉ आंबेडकर और संविधान सभा के सदस्यों ने मिलकर देश के नागरिकों एक व्यक्ति-एक वोट का अधिकार दिया।

लोकतंत्र का आधार है निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का आधार है निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव। परन्तु आज चुनाव आयोग की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर ही भयंकर सवाल उठ रहे हैं। विभिन्न राज्यों में खुलासे हुए हैं, चुनाव आयोग उन सवालों के जवाब देने के बजाय हम से एफिडेविट मांग रहा है। बिहार की ही तर्ज पर अब देश भर में लाखों लोगों के वोट काटने की साजिश रची जा रही है। वोट चोरी का मतलब है- दलित, आदिवासी, पिछड़ा, अति-पिछड़ा, अल्पसंख्यक, कमजोर और गरीब के राशन की चोरी, पेंशन चोरी, दवाई चोरी, बच्चों की छात्रवृत्ति और परीक्षा की चोरी। 'वोटर अधिकार यात्रा' की वजह से बिहार की जनता में इसके बारे जागरूकता फैली और वो खुलकर राहुल जी के समर्थन में आए।

गांधी का 100 साल पुराना दिया गया स्वदेशी का मंत्र आज फिर याद रहा

खरगे ने कहा कि महात्मा गांधी का 100 साल पुराना दिया गया 'स्वदेशी का मंत्र' जिसे कांग्रेस ने अंग्रेज़ों को परास्त करने के लिए इस्तेमाल किया, मोदी जी को आज याद रहा है। दूसरी तरफ़ चीन के लिए रेड कारपेट सरेआम बिछाए जाते हैं। पिछले 5 वर्षों में चीन से हमारे आयात दो गुना बढ़ गया है। आज हमारा देश कई समस्याओं से जूझ रहा है।ये समस्याएं आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, सामाजिक ध्रुवीकरण और स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाकर कमजोर किया जा रहा है। दो करोड़ नौकरियों का वादा अधूरा रहा। युवा रोजगार के बिना भटक रहे हैं। नोटबंदी और ग़लत जीएसटी ने अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दिया। 8 वर्षों के बाद प्रधानमंत्री जी को अपनी गलती का एहसास हुआ।

पिछले 10 वर्ष में नहीं बढ़ी आमदनी

अब जीएसटी में वही सुधार लाए गए जिसकी मांग कांग्रेस पहले दिन से कर रही थी। मोदीजी का मानना है कि देशवासियों को और अधिक खर्च करना चाहिए परंतु जब पिछले 10 वर्ष में आमदनी नहीं बढ़ी, सिर्फ महंगाई बढ़ी है तो लोग अधिक खर्च कैसे करेंगे?

सोनिया गांधी व प्रियंका गांधी का दौरा रद्द

राजधानी पटना के सदाकत आश्रम परिसर में ध्वज फहराने के साथ बैठक की शुरुआत हुई। गगनभेदी नारों और कार्यकर्ताओं के उत्साहपूर्ण स्वागत के बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और बड़ी संख्या में केंद्रीय व राज्य स्तरीय नेता मौजूद रहे। हालांकि सांसद सोनिया गांधी व प्रियंका गांधी मौजूद नहीं रहे।

एक और बाबा गलत करतूत में धरा गया

» दिल्ली के आश्रम में बाबा का चल रहा था गंदा खेल

» वॉर्डन करवाती थी मुलाकात, 17 लड़कियों ने खोला स्कैंडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के एक नामी आश्रम में चल रहे गंदे खेल का पर्दाफाश हुआ है। आश्रम की काली हकीकत सामने आते ही हड़कंप मच गया। वहां पढ़ने वाली 17 लड़कियों ने जैसे ही वहां हो रही गंदी हरकतों का राज पुलिस के सामने खोला तो सबसे पहले आश्रम चलाने वाला स्वामी चैतन्यानंद वहां से फरार हो गया।

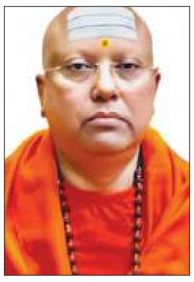

दरअसल वहां मैनेजमेंट कोर्स की पढ़ाई कर रही 17 छात्राओं ने संचालक चैतन्यानंद पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं। श्री श्रृंगेरी मठ और उसकी संपत्तियों के प्रशासक पी.ए. मुरली की शिकायत पर स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी के खिलाफ BNS की कई धाराओं में यौन उत्पीड़न का केस दर्ज किया गया है। मामला दिल्ली के पॉश इलाके वसंत कुंज के एक नामी आश्रम का है। शिकायत मिलने के बाद वसंत कुंज (नार्थ) थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है। इस आश्रम में दो बैच चल रहे हैं, जिनमें लगभग 35 से ज्यादा छात्राएं पढ़ती हैं। इनमें से 17 छात्राओं ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि आश्रम संचालक चैतन्यानंद सरस्वती ने उनके साथ छेड़छाड़ की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लिए हैं और संस्थान से मिले हार्ड डिस्क को भी एफएसएल जांच के लिए भेज दिया है। वहीं 16 पीड़िताओं के बयान अदालत (पटियाला हाउस कोर्ट) में भी दर्ज कराए गए हैं।

श्रृंगेरी आश्रम ने बाबा से सभी संबंध समाप्त कर दिए

इस मामले पर दक्षिणामन्या श्री शारदा पीठम्श्रृंगेरी आश्रम ने इन आरोपों पर सफाई दी है। आश्रम ने बयान जारी कर कहा, स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल था। पीठ ने उसके खिलाफ शिकायत भी दर्ज की है, उनके आचरण और गतिविधियां अवैध, अनुचित और पीठ के हितों के खिलाफ रही हैं। इसी कारण उनसे पीठ के सभी संबंध समाप्त कर दिए गए हैं, स्वामी चैतन्यनंद सरस्वती के अवैध कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई गई है।

महाराष्ट्र और बंगाल में मौत की बाढ़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में पिछले चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। इनमें लातूर में तीन, बीड में दो और छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़ और धाराशिव में एक-एक लोगों की मौत बिजली गिरने, डूबने और अन्य कारणों से हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि मराठवाड़ा के आठ जिलों में 766 घरों को बाढ़ से नुकसान पहुंचा है।

33,010 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर लगी फसलें खराब हो गईं। बीड और धाराशिव में पांच बांध, कई सड़कें, पुल और स्कूलों को भी नुकसान पहुंचा है। इधर, पश्चिम बंगाल के कोलकाता और आसपास के जिलों में बारिश से मरने वालों का आंकड़ा 10 पहुंच गया है। इनमें 8 मौतें सिर्फ कोलकाता में हुईं। 10 में से 9 लोगों की मौत करंट लगने से हुई। कोलकाता के कई इलाके लगातार दूसरे दिन जलमग्न हैं। कोलकाता में सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक 251.4 मिमी बारिश हुई थी। कोलकाता में 39 साल बाद एक दिन में इतनी ज्यादा बारिश हुई थी। इससे पहले 26 सितंबर 1986 को एक दिन में 259.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

झारखंड के गुमला में मुठभेड़ में तीन माओवादी ढेर

» सुरक्षाबलों ने हथियार भी किया बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के गुमला जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के लवादाग जंगल में बुधवार की सुबह झारखंड जगुआर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने नक्सलियों के ठिकाने पर छापा मारा। इस मुठभेड़ में तीन कुख्यात माओवादी मारे गए, जबकि दो अन्य फरार हो गए।

मुठभेड़ के बाद मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद किए गए। इनमें एक ्च-56 राइफल, एक एसएलआर और एक इंसास राइफल शामिल हैं। इसके अलावा कई मैगजीन और कारतूस भी पुलिस ने जब्त किए हैं। सुरक्षाबलों ने मारे गए तीन उग्रवादियों में

से एक की पहचान बेलगड़ा गांव निवासी दिलीप लोहरा के रूप में की है। पुलिस के अनुसार वह लंबे समय से इलाके में सक्रिय था और कई मामलों में वांछित था। बाकी दो माओवादी की पहचान की जा रही है। गुमला एसपी हरिश बिन जमा ने बताया, यह झारखंड पुलिस के नक्सल विरोधी अभियान की बड़ी सफलता है। दोनों ओर से गोलीबारी हुई, जिसमें तीन उग्रवादी मारे गए। उनके पास से अत्याधुनिक हथियार बरामद किए गए हैं।

साउथ स्टार्स के घरों पर कस्टम विभाग का छापा

» सेना व दूतावास की फर्जी मुहरों वाली महंगी कारें जब्त

» ऑपरेशन नुमखोर से हिला केरल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। सीमा शुल्क निवारक विभाग के अधिकारियों ने सेना और अमेरिकी दूतावास की मुहरों वाले जाली दस्तावेजों के साथ भूटान से अवैध रूप से भारत लाए गए महंगे वाहनों का पता लगाने, उनकी पहचान करने और उन्हें जब्त करने के लिए समूचे केरल में कई जगहों पर छापेमारी की।

कोच्चि स्थित सीमा शुल्क निवारक आयुक्तालय के आयुक्त टी. तिजू ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मंगलवार को राज्य भर में फिल्म कलाकार पृथ्वीराज सुकुमारन, दुलकर सलमान और अमित चक्कलक्कल के आवासों सहित लगभग 30 स्थानों पर तलाशी ली गई और 36 महंगी कारें जब्त की गईं। इस अभियान का कूट नाम 'ऑपरेशन नुमखोर' है। भूटानी में 'नुमखोर' का अर्थ 'वाहन' होता है।

अभियान का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि अवैध रूप से भारत लाकर देश में बेचे जाने वाले इन वाहनों में से कई का इस्तेमाल सोने और मादक पदार्थ की तस्करी के लिए भी किया जाता था और इस संबंध में मामले दर्ज किए गए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।